ANNEXURE

NEWS

आईआईटी एंट्रेंस में दिल्ली जोन के नितिन टॉपर

❖ अपनी फर्स्ट रैंक को लेकर मुझे जरा भी संदेह नहीं था। रैंक पाने के लिए मैंने दिन-रात मेहनत नहीं की। किसी भी कॉम्पिटिशन के लिए जरूरी नहीं कि आप 16 से 20 घंटे पढ़ें। जरूरी है कि प्लानिंग और टाइम टेबल के साथ स्टडी करें। मेरी कामयाबी का यही मंत्र है। मैं पूरे दिन में केवल 5-6 घंटे ही पढ़ता था, लेकिन प्लानिंग के साथ। हर सब्जेक्ट को बराबर अहमियत दी। कभी टेंशन लेकर तैयारी नहीं की। ❖ पढ़ाई के साथ-साथ एंटरटेनमेंट भी जरूरी हैं। इसलिए ब्रेक टाइम में टेबिल टेनिस, कंप्यूटर गेम्स खेलता था। हैरी पॉटर मुझे पसंद है, क्योंकि वह भी कई तरह के पजल्स सॉल्व करता है। ❖ मेरे पैरंट्स काफी खुश हैं। मैंने उनसे जो वादा किया था, उसे पूरा किया। मेरी इस सफलता में पैरंट्स और स्कूल का सहयोग रहा है। मुझे अलग से भी कोचिंग दी गई। वैसे, एंट्रेंस के लिए जरूरी नहीं कि कोचिंग ली जाए। लेकिन कोचिंग से एक्स्ट्रा नॉलेज मिलती है। ❖ नितिन के पैरंट्स ही नहीं बल्कि स्कूल का स्टाफ भी उसके तेज दिमाग का मुरीद रहा है। फिजिक्स उसका फेवरिट सब्जेक्ट है। इसलिए फिजिक्स टीचर जयप्रकाश गौड़ के साथ बहुत अटैचमेंट है। ❖ जय प्रकाश गौड़ ने बताया कि जब नितिन ने 11वीं में यहां एडमिशन लिया, तभी उन्होंने उसके जुझारू तेवर को पहचान लिया था। उनकी मानें तो नितिन कई बार आसान सवालों पर अटक जाता है और कठिन सवालों को चुटकियों में साल्व करता है। कोचिंग टीचर विनोद अग्रवाल कहते हैं कि उन्हें भी नितिन की सफलता पर कभी डाउट नहीं रहा। उसका अपने टारगेट पर फोकस ऐसा था कि नतीजा सामने है।

(NBT) नवभारत टाइम्स, 26 मई, 2009

TOPPER MANTRA: Equal Time to All Subjects

Nitin Was Known As Science Wiz In School

❑ I am taking everything step by step by and plan accordingly. ❑ The topper remained calm, attributing the all India rank 1 to regular and planned studying. "Since I took up science after Class X, IIT was a natural choice. I wanted to get the first rank and I got it." said Nitin. His formula: devoting equal time to all subjects while studying only four to five hours a day. ❑ "We always knew Nitin would crack IIT JEE and could get the first rank too. He has an exceptional IQ. He has been a topper throughout," said Kanta Sharma, Principal of MVN School, Faridabad. Nitin, known as a science wizard in school. ❑ By Nitin's own blueprint, he will the family's first engineer. ❑ "Physics is my favourite subject. But I will go for computer engineering now."

Faridabad boy tops IIT-JEE it's *'no surprise'*

❑ IIT-JEE topper for 2009, Nitin Jain, doesn't see what the fuss is about. The shy teenagers says it's a goal he set two years ago and has steadily worked for. *— Times of India, 31st May, 2009*

FARIDABAD BOY TOPS IIT-JEE

❁ The result was expected, as I toiled hard. ❁ "Although I studied hard, I found plenty of time to play table tennis and computer games. Proper time management was the key. ❁ Jain said he attended his school classes regularly. "I knew I could not neglect my regular studies. ❁ My participation in the Olympiad caused me to miss a month of preparation for the IIT-JEE exam. However, with the support of my parents and teachers, I made up for it. ❁ Jain also had some tips to offer future IIT aspirants. He stressed on quality — as oppposed to quantity — use of time. "Plan out your studies, create a schedule and stick to it. Do not leave out any topic thinking that it will not be included in the test."

— Hindustan Times, 26th May, 2009

नितिन ने रचा इतिहास

कहा जाता है कि इंसान अपने बुलंद हौंसले से दुनिया भी जीत सकता है। ऐसा ही कारनामा किया है फरीदाबाद के नितिन जैन ने। आईआईटी के एंट्रेंस एग्जाम में ऑल इंडिया टॉपर नितिन ने ऑल इंडिया इंजीनियरिंग एंट्रेंस एग्जामिनेशन में भी कामयाबी का झंडा गाड़ दिया।

❂ एमवीएन स्कूल के वाइस प्रिंसिपल डॉ. जे. पी. गौड़ और साउथ दिल्ली स्थिति एक कोचिंग क्लास के सेंट्रल हेड विनोद अग्रवाल ने दावा किया कि नितिन सिर्फ दूसरा छात्र है, जिसने दोनों एंट्रेस एग्जाम में टॉप किया है। ❂ **मेहनत रंग लाई** नितिन बताते हैं कि रैंक पाने के लिए दिन-रात मेहनत नहीं की। किसी भी कांपिटिशन के लिए जरूर नहीं कि आप 16-20 घंटे पढ़े। केवल एक बुक अगर अच्छी तरह कर ली जाए तो सफलता मिल जाती है। जरूरी है कि प्लानिंग और टाइम टेबल के साथ पढ़ाई की जाए। उसने कहा कि उसकी सफलता का यही मंत्र है। नितिन ने कहा कि मैं पूरे दिन में केवल 5-6 घंटे ही पढ़ता था, लेकिन प्लानिंग के साथ। हर विषय को बराबर महत्व दिया। एनसीईआरटी की तैयारी भी काफी काम आई। पढ़ाई के लिए कभी टेंशन नहीं ली। हमेशा रिलैक्स होकर पढ़ाई की है। मेरा टारगेट तैयारी करते वक्त हमेशा रैंक पोजिशिन रही है। शुरू से ही टॉप रैंकर रहा हूं। इसलिए हमेशा नंबर-1 में ही विश्वास करता हूं। नितिन कहते हैं कि मेरी इस सफलता में पेरेंट्स, स्कूल स्टाफ का हमेशा से सहयोग रहा है। उनका हमेशा से मोटिवेशन रहा।

***हिन्दुस्तान*, 31 मई, 2009**

'सर! आप चिंता न करो...'

नितिन जैन ने जब दसवीं की परीक्षा दी थी तो उसने 11वीं में प्रोविजनल दाखिले के लिए एमवीएन स्कूल का रुख किया। इस पर स्कूल के फिजिक्स के शिक्षक जय प्रकाश गौड़ नितिन से बोले कि इतना पाठ्यक्रम कैसे कवर करोगे। नितिन का जवाब था, 'सर! आप चिंता न करो, यह मेरा काम है।' नितिन के मुंह से निकले विश्वास भरा यह जवाब सुनकर शिक्षक जय प्रकाश गौड़ को तभी आभास हो गया था कि यह लड़का टॉप करेगा। सोमवार को नितिन ने अपने शिक्षक की इस सोच को सही साबित कर दिया। नितिन के बारे में शिक्षक जय प्रकाश ने कहा कि पूरी पढ़ाई के दौरान इसे कभी बताने की जरूरत ही नहीं पड़ी। उसकी माता कुमकुम जैन व पिता नेम चंद जैन ने कहा कि उन्हें अपने इस पुत्र पर नाज है। इसने परिवार की परंपरा को आगे बढ़ाया है।

Navbharat Times, 31st May 2009

टेबल टेनिस के अच्छे खिलाड़ी हैं नितिन

✪ नितिन हैरी पाटर के दीवाने हैं और उन्होंने इसके सारे अंक पढ़ रखे हैं। इसके अलावा वे टेबल टेनस के अच्छे खिलाड़ी भी हैं। दसवीं तक उन्होंने खेल में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मगर ग्यारहवीं कक्षा में वे सबकुछ छोड़कर आईआईटी की तैयारियों में जुट गए।

***अमर उजाला*, 26 मई, 2009**

जीनियस पर कोई घमंड नहीं

● एमवीएन स्कूल के शिक्षकों ने नितिन को आज्ञाकारी छात्र की संज्ञा देते हुए उसे बेहद सादगी से रहने वाला छात्र बताया। उनका कहना है कि उसने अपने गुरुओं का हमेशा आदर किया। किसी भी प्रतियोगिता में विजयी होने पर उसके व्यवहार में कोई बदलाव नहीं देखा गया। वाइस प्रिंसिपल जयप्रकाश गौर का कहना है कि उसमें साइंस विषय को गहराई से समझने की ललक थी। उनका मानना है कि नितिन को जीनियस में गिना जाना चाहिए जो आने वाले समय में नए कीर्तिमान स्थापित कर सकता है। स्कूल के चेयरमैन वरुण शर्मा का कहना है कि नितिन बहुत ही अनुशासनप्रिय छात्रों में से है। बुद्धिमान होने के बावजूद भी उसने कभी शिक्षकों को नीचा दिखाने की कोशिश नहीं की।

***दैनिक भास्कर*, 26 मई, 2009**

सर्वश्रेष्ठ कंप्यूटर इंजीनियर बनने की चाहत

✻ क्या देश भर में प्रथम स्थान हासिल करने के बारे में कभी सोचा था?

शुरू से ही मैं स्कूल में प्रथम स्थान हासिल करता आ रहा था। दसवीं की परीक्षा में 96.6 प्रतिशत और 12वीं की 95 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण करने के बाद मुझे लगा कि मैं टॉप-5 में तो जगह बना ही सकता हूँ। बाकी जब पेपर देकर आया तो लगा शायद नंबर एक स्थान आ जाए।

✻ इस कामयाबी का श्रेय किसे देते हैं?

मां कुमकुम जैन, पिता एन सी जैन व स्कूल के सभी शिक्षकों को इसका श्रेय है, जिन्होंने मुझमें विश्वास का ऐसा पुट भरा कि मंजिल दर मंजिल सफलता हासिल होती रही।

✻ अब आप क्या बनना चाहेंगे?

मैं दुनिया का सर्वश्रेष्ठ कंप्यूटर इंजीनियर बनना चाहता हूं।

✻ आपके शौक क्या-क्या हैं?

मुझे टेबल टेनिस खेलना पसंद है, हैरी पोटर और डेन ब्राउन की कहानियां पढ़ना और

कंप्यूटर पर गेम खेलना पसंद है।

✻ इंजीनियर बनने के इच्छुक अन्य युवाओं को क्या संदेश देना चाहेंगे?

बस यही कि कोई भी लक्ष्य मुश्किल नहीं है। ईमानदारी से मेहनत करो, योजना बनाओ, नियमित रूप से पढ़ो व हर टॉपिक पर ध्यान दो। देर रात्रि तक पढ़ने के बजाय रात 11-12 बजे तक पढ़ो और सुबह 6 बजे ताजा होकर फिर जुट जाओ तो सफलता कदम चूमेगी।

***दैनिक जागरण,* 26 मई, 2009**

आईआईटी टॉपर नितिन जैन ने एआईईईई-०९ में किया टॉप

परीक्षार्थियों की संख्या के लिहाज से दुनिया की सबसे बड़ी प्रतियोगी परीक्षा है एआईईईई

● आईआईटी-जेईई टॉपर नितिन जैन ने ऑल इंडिया इंजीनियरिंग एंट्रेंस एक्सामिनेशन-09 में भी रैंक-1 हासिल किया है। ● एआईईईई परीक्षा में इस बार 9 लाख 62 हजार 119 छात्र शामिल हुए थे। बोर्ड के स्पेशल एग्जामिनेशन पीतम सिंह के मुताबिक एक दिन में आयोजित होने वाली यह दुनिया की सबसे बड़ी परीक्षा है। ● नितिन के पिता एन सी जैन तिजारावाला को सबसे बड़ी खुशी इस बात की है कि उनके प्रतिभाशाली बेटे की वजह से उनके पैतृक कस्बा तिजारा देश की मशहूर जगह बन गया है। ● नितिन की तारीफ है कि वह किताबी कीड़ा नहीं है, जितनी देर पढ़ाई करते हैं मन लगाकर पढ़ाई करते हैं।

***राष्ट्रीय सहारा,* 31 मई, 2009**

Dhannanjay.co.cc

Today, my father told me to read the newspaper and I found that the IIT JEE topper Nitin Jain's interview was published there he had written that the key to success for me was to channelize my energy, maximizing my potential and of course hard work. Nitin Jain studied just five to six hours daily but topped in IIT JEE this year.

Another, issue about nitin Jain was that in which institute did he took coaching ,and he told that he took coaching in FIIT-JEE.but another institute gave his name that our student Nitin came first in the IIT JEE this year. The institute name is Aakash.Nitin's father said that I will file a case against Aakash.

My views on this topic are that Nitin's father is doing right by filing a case against Aakash ,because if he doesn't do that his son's reputation will go down.

IIT topper's father sets the record straight

Puneet Nicholas Yadav / DNA Read the World

Saturday, May 30, 2009 1:02 IST

New Delhi: Topping exams can come with its own set of perils. And who better to vouch for it than Nitin Jain, the all India topper of the Joint Entrance Examination (JEE) for IITs.

A day after the JEE results were declared on Monday, two top coaching institutes — FIITJEE and Aakash Institute — came out with full-page advertisements in national dailies vying for the title of having coached 17-year-old Nitin.

But Nitin's father NC Jain dismissed Aakash Institute's claim, saying: "Nitin was never enrolled with Aakash. A representative of the institute had come to our house last year and gave books for free to Nitin, which were never used. Nitin was enrolled with the FIITJEE's 2-year classroom coaching programme."

But JC Chowdhury, MD, Aakash Institute said: "We have the documents to prove that Nitin was enrolled with us in our distance-learning programme. We have even printed the enrollment form with Nitin's signature in our advertisements. They are making these claims under pressure from our competitors. Probably, they have been paid to do so." But Nitin's family has a different story to tell about the enrollment form.

"Last year, when this person from Aakash gave the books for free he asked Nitin to fill up an acceptance form. The so-called enrollment form that is now being flashed in the ads is the same form," Nitin's father said.

Nitin, who will represent the country in the International Physics Olympiad in Mexico in July, said the institute had also featured Gopi Sivakanth, who stood third in the JEE, in their ads. "But when I spoke to him he denied having enrolled with Aakash," Nitin said. Chowdhury said the allegations made by the Jains were "malicious propaganda". He said if the Jains did not issue a denial he would take legal recourse.

FEEDBACK FORM

Please send/mail us the feedback form at the address given below and you will get a booklet by Nitin Jain "10 Golden Tips for Success". You will also get information regarding competition/scholarship exams available with us from time to time. You can win a prize also!!

Name : ....

Residential Address : ....

....

....

Email : ....

Phone : .... Mobile : ....

School/Insititution : ....

....

1. How dis you come to know of this book? Recommended by a Friend/Bookseller/Teacher/Newspaper. ....

2. Name & Address of the Bookshop. ....

....

3. Exams Qualified/Appeared. ....

4. Your Favourite Subject/s ....

5. What did you like in this book? ....

....

6. Any other comments/suggestions. ....

....

Note : *You may use additional paper for your detailed comments/suggestion*

Nitin Jain c/o Mrs. Kumkum Jain :

House No. 589, Sector 21-D, Faridabad-121001, Haryana, India.
E-mail : jain.kumkum82@gmail.com

ONLY FOR IIT-JEE QUALIFIED STUDENTS

Dear IITians,

Share you experiences with aspiring IITians and students who want to pursue Engineering as a career. Has it occured to you that you can do the students a favour by sending your invaluable Suggestions and Success Stories to improve their chances of qualifying in IIT-JEE and AIEEE. Some of the selected stories will be published alongwith your details and photograph in the new book to be released later this year.

We will make sure that you are credited for the contribution and suitably awarded with prizes worth a total of Rs. 2,50,000/-. Top Rankers of IIT-JEE, 2010, who write to us will also be awarded with special prizes/trophies as per their ranks.

Thanking you

Wishing you all the best

Kumkum Jain
jain.kumkum82@gmail.com

Note : *Those students who have participated in the International Science Olympiads may also send their Experiences/Contributions.*